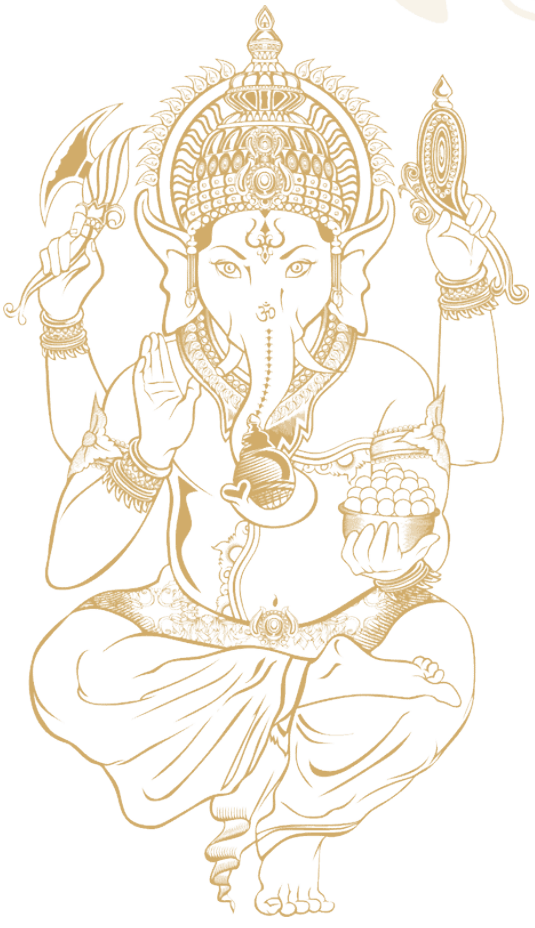

# Hardik

# Deepanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121794505

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 26-27/07/1998 | जन्म तिथि | 23/07/1998 |
| रवि-सोमवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 03:25:00 | जन्म समय | 14:38:00 घंटे |
| घटी 54:24:46 | जन्म समय(घटी) | 22:31:23 घटी |
| India | देश | India |
| Faridabad | स्थान | Delhi |
| 28:24:00 उत्तर | अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| 77:18:00 पूर्व | रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:20:48 | स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:39:05 | सूर्योदय | 05:37:16 |
| 19:14:31 | सूर्यास्त | 19:17:29 |
| 23:50:07 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:06 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 11वर्ष 0मा 18दि | | 09:47:57 | मिथु | लग्न | वृश्चि | 02:32:28 | शनि 17वर्ष 10मा 10दि | |
| मंगल | | 09:52:01 | कर्क | सूर्य | कर्क | 06:29:30 | बुध | |
| 14/08/2025 | | 19:17:58 | सिंह | चंद्र | कर्क | 04:07:55 | 02/06/2016 | |
| 14/08/2032 | | 19:54:33 | मिथु | मंगल | मिथु | 17:34:01 | 02/06/2033 | |
| मंगल | 10/01/2026 | 03:42:30 | सिंह | बुध | सिंह | 02:03:37 | बुध | 30/10/2018 |
| राहु | 29/01/2027 | 04:05:46 | मीन व | गुरु व | मीन | 04:10:42 | केतु | 27/10/2019 |
| गुरु | 04/01/2028 | 14:56:30 | मिथु | शुक्र | मिथु | 10:40:34 | शुक्र | 27/08/2022 |
| शनि | 12/02/2029 | 09:27:05 | मेष | शनि | मेष | 09:19:15 | सूर्य | 03/07/2023 |
| बुध | 09/02/2030 | 07:46:36 | सिंह | राहु व | सिंह | 07:50:38 | चन्द्र | 02/12/2024 |
| केतु | 09/07/2030 | 07:46:36 | कुंभ | केतु व | कुंभ | 07:50:38 | मंगल | 29/11/2025 |
| शुक्र | 08/09/2031 | 17:13:31 | मक व | हर्ष व | मक | 17:21:50 | राहु | 17/06/2028 |
| सूर्य | 14/01/2032 | 06:51:14 | मक व | नेप व | मक | 06:56:59 | गुरु | 23/09/2030 |
| चन्द्र | 14/08/2032 | 11:34:21 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 11:36:50 | शनि | 02/06/2033 |

## लग्न-चलित

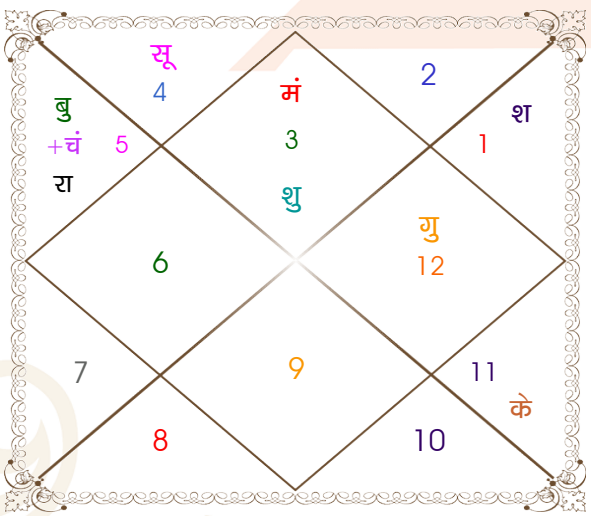


## लग्न-चलित

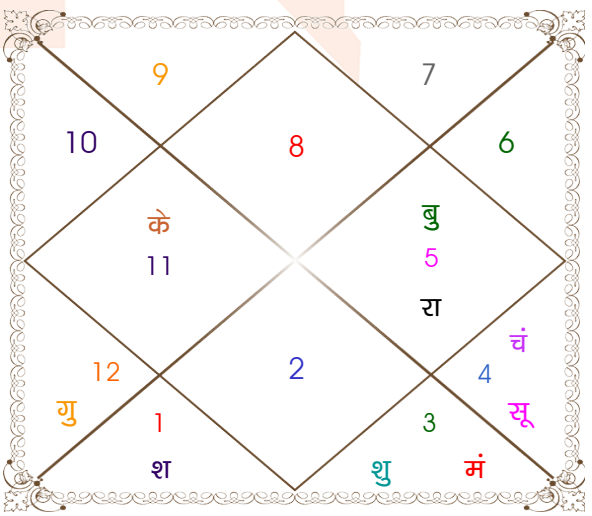

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | मेष | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | चन्द्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | कर्क | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 14.50 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Deepanshi का नक्षत्र पुष्य है।

Hardik का वर्ग श्वान है तथा Deepanshi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hardik और Deepanshi का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Hardik मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Deepanshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Deepanshi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Hardik कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Hardik तथा Deepanshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।